Seat No_____ No. of Printed Pages:2

A-23

SARDAR PATEL UNIVERSITY
F.Y.B.A(EXTRANAL)EXAMINATION
THURSDAY,11TH APRIL 2019
10.00 a.m. to 01.00 p.m.
HINDI LITERATURE(PRINCIPAL- SUB)
Old course -PAPER-2 HN 102
हिन्दी काव्य HIN - 102

सूचनाः हिन्दी में शिरोरेखा करना अनिवार्य हैं। कुल अंकः१००

प्रः१ सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (१४)

(अ) ''घूम रहा है कैसा चक्र
वह नवनीत कहाँ जाता है, रह जाता है तक्र।
पिसो,पडे हो इसमें जब तक,
क्या अंतर आया है अब तक।
हम इसकी गति वक्र?''

अथवा

(अ) ''अबला जीवन हाय! तुम्हारी यही कहानी
आंचल में हैं दूध और आँ खों में पानी। ''

(आ) ''माना दुर्बल ही था गौतम छिपकर गया निदान
किन्तु शुभ,परिणाम ही हुआ सुधा-सन्धान!
क्षमा करो सिद्धार्थ शाक्य की निर्दयता प्रिय जान,
मैं-करूणापूर्ण आज वह शुद्ध बुद्ध भगवान।''

अथवा

(आ) ''सिद्धि मार्ग की बाधा नारी फिर उसकी क्या गति है?
पर उनसे पूँछू,जिनको मुझसे आज विरति है।
अर्द्ध विश्व में व्याप्त शुभा-शुभ मेरी भी कुछ मति है।
मैं भी नहीं अनाथ जगत में,मेरा भी प्रभु पति है।''

प्रः२ सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (१४)

(अ) ''''असंख्य कीर्ति रश्मियाँ,विकीर्ण दिव्य-दाह सी
सपूत मातृभूमि के,रूको न शूर साहसी
अराति सैन्य सिन्धु में सुवाड़वाग्नि-से जलो।
प्रवीर हो जयी बनो,बढ़े चलो,बड़े चलो।''

अथवा

(अ) ''पेट-पीठ दोनों मिलकर है एक,
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी भर दाने को-भूख-मिटाने को,
मुँह फटी पुरानी झोली को फैलाता-
दो टूक कलेजे को करता पछताता पथ पर आता।''

पन्ना पलटिए ☞☞☞

(आ) ''जहाँ साँझ सी जीवन छाया,
ढीले अपने कोमल छाया
नील नयन से ढुलकती हो
ताराओं की पाँति घनी रे।''

अथवा

(आ) ''ले चल वहाँ भुलावा देकर,मेरे नाविक धीरे-धीरे,
जिस निर्जन सागर में लहरी अंबर के कानों में गहरी
निश्छल प्रेम कथा कहती हो,तज कोलाहल की अवनी रे।''

प्रः३.यशोधरा खंडकाव्य के आधार पर सिद्धार्थ का चरित्र चित्रण कीजिए। (१८)

अथवा

प्रः३.'यशोधरा' काव्य में प्राचीनता और नवीनता का समन्वय हुआ है- स्पष्ट कीजिए।

प्रः४.'गीत फरोश' कविता का भावार्थ निरूपित कीजिए। (१८)

अथवा

प्रः४.'भिक्षुक' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रः५.लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (१८)

(क) 'दुःख नहीं कोई' कविता का भाव सौंदर्य।

अथवा

(क) 'जुही की कली' काव्य में व्यक्त छायावादी सौंदर्य विधान।

(ख) 'यशोधरा' काव्य का शीर्षक।

अथवा

(ख) मैथिली शरण गुप्त की नारी भावना।

प्रः६.किन्हीं **अट्ठारह** अति लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (१८)

१. छायावाद के चार प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।
२. 'काव्य-कलश' के संयोजक कौन है?
३. प्रेम और सौंदर्य के कवि के रूप में किसका नाम लिया जाता है?
४. ओज और विद्रोह के कवि कौन है?
५. प्रकृति के सुकुमार कवि के रूप में कौन जाना जाता है?
६. आधुनिक युग की मीरा किसे कहते है?
७. हिन्दी में मुक्त छंद के प्रचर्तक कौन है?
८. द्वीप को आकार कौन देता है?
९. हिन्दी साहित्य में हालावाद के प्रवर्तक कौन है?
१०. बच्चनजी की प्रसिद्ध रचना कौन सी है?
११. गुप्तजी किस युग के कवि है?
१२. सिद्धार्थ की पत्नी का नाम क्या है?
१३. सिद्धार्थ के सेवक का नाम क्या है?
१४. सिद्धार्थ की दोनों माताओं का नाम क्या है?
१५. सिद्धार्थ को महाभिनिष्क्रमण की प्रेरणा कहाँ से मिली?
१६. गौतमने कौन सी नदी के तट पर तपस्या आरंभ की थी?
१७. गौतम बुद्ध का जन्म किस नगर में हुआ था?
१८. गुप्तजी अन्य दो खंडकाव्यों के नाम लिखों।
१९. यशोधरा के पिता का नाम क्या है?
२०. पंचभद्रवर्गीय किसे कहते हैं? —x—